**गोवा विश्वविद्यालय**

**शणै गोंयबाब भाषा और साहित्य महाशाला**

**हिंदी अध्ययन शाखा**

**कार्यक्रम: स्नातकोत्तर हिंदी**

**पाठ्यक्रम: HIN-603**

**पाठ्यक्रम का शीर्षक: साहित्य : विचार एवं दर्शन**

**श्रेयांक: 04 (60)**

**शैक्षणिक वर्ष से लागू: 2022-23**

| | | |
|---|---|---|
| **पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित** | भारतीय-पाश्चात्त्य मनीषियों एवं चिंतकों के वैचारिक तथा दार्शनिक मान्यताओं का सामान्य ज्ञान अपेक्षित है। | **घंटे** |
| **उद्देश्य** | • दर्शन की अवधारणा एवं स्वरूप से अवगत कराना।<br>• साहित्य के विश्लेषण में सहायक, भारतीय चिंतन परंपरा की समझ विकसित कराना।<br>• हिंदी साहित्य पर पाश्चात्त्य चिंतन परंपरा के प्रभाव को स्पष्ट कराना।<br>• आधुनिक भारतीय दार्शनिकों के विचारों से अवगत कराना। | |
| **पाठ्य विषय** | **1.** दर्शन : अवधारणा, स्वरूप एवं महत्त्व | **06** |
| | **2. भारतीय दर्शन**<br>• षड्दर्शन: सांख्य दर्शन, योग दर्शन, न्याय दर्शन, वैशेषिक दर्शन, मीमांसा दर्शन, वेदांत दर्शन<br>• प्रतिनिधि दर्शन: बौद्ध दर्शन, जैन दर्शन, चार्वाक दर्शन | **18** |
| | **3. आधुनिक पाश्चात्त्य दर्शन**<br>• मार्क्सवाद<br>• मनोविश्लेषणवाद<br>• अस्तित्ववाद | **18** |

| | | |
|---|---|---|
| | **4. आधुनिक भारतीय दार्शनिक**<br>• महात्मा गांधी<br>• भीमराव आंबेडकर<br>• राममनोहर लोहिया<br>• सावित्रीबाई फुले | **18** |
| **अध्यापन विधि** | व्याख्यान, चर्चा, वाद-विवाद, संवाद, स्वाध्याय, संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण | |
| **संदर्भ ग्रंथ सूची** | 1) उपाध्याय, बलदेव. भारतीय दर्शन की रूपरेखा. चौखंभा ओरियंटालिया, 1979.<br>2) कोसंबी, धर्मानंद. बुद्ध : जीवन और दर्शन. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1982.<br>3) गैरोला, वाचस्पति. भारतीय दर्शन. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1966.<br>4) नंदा, बलराम (अनुवाद : गुप्त, वीरेंद्रकुमार). गांधी और उनके आलोचक. सारांश प्रकाशन, प्रा॰ लि॰, दिल्ली, 1997.<br>5) बनकर, कु॰ शांताबाई रघुनाथराव, शिंदे, विश्वनाथ, कुंभोजकर, श्रद्धा. समाजभूषण कै॰ सौ॰ सावित्रीबाई जोतीराव फुले यांचे अल्प चरित्र. इतिहास विभाग और महात्मा जोतीराव फुले अध्यासन, सावित्रीबाई फुले पुणे विद्यापीठ, 2021.<br>6) बर्न्स, एमिल (अनुवादक : संगल, ओमप्रकाश). मार्क्सवाद क्या है. पीपल्स पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 2008.<br>7) मून, वसंत (अनुवाद: पांडेय, प्रशांत). डॉ॰ बाबासाहेब आंबेडकर. नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया, 1991.<br>8) राधाकृष्णन, डॉ॰ सर्वपल्ली. उपनिषदों का संदेश. राजपाल ऐंड संस, दिल्ली, 1997.<br>9) राधाकृष्णन, डॉ॰ सर्वपल्ली. गौतम बुद्ध-जीवन दर्शन. मंजुल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 1899.<br>10) राधाकृष्णन, डॉ॰ सर्वपल्ली. भारतीय दर्शन भाग 1. राजपाल ऐंड संस, दिल्ली, 2012. | |

| | | |
|---|---|---|
| | 11) राधाकृष्णन, डॉ॰ सर्वपल्ली. भारतीय दर्शन भाग 2. राजपाल ऐंड संस, दिल्ली, 2013.<br>12) रुबिचेक, पॉल (अनुवादक: माचवे, डॉ॰ प्रभाकर). अस्तित्ववाद: पक्ष और विपक्ष. मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल, 1973.<br>13) लिमये, मधु. डॉ॰ आंबेडकर: एक चिंतन. मुंबई रचना प्रकाशन, मुंबई, 1986.<br>14) लोहिया, राममनोहर. समाजवाद. प्रेस्टीज पब्लिकेशन, पुणे, 1993.<br>15) वुल्फ़, लेनी (अनुवाद: मिश्र, विश्वनाथ). क्रांति का विज्ञान. परिकल्पना प्रकाशन, लखनऊ, 2003.<br>16) शंकर, शोभा. आधुनिक भारतीय समाजवादी चिंतन. साहित्य भवन प्रा॰ लि॰, इलाहाबाद, 1980.<br>17) शर्मा, हरवंश. भारतीय दर्शन परंपरा और आदिग्रंथ. ज्ञान प्रकाशन, नई दिल्ली, 1972.<br>18) शाही, योगेंद्र. अस्तित्ववाद : किर्केगार्ड से कामू तक. मैकमिलन कंपनी ऑफ़ इंडिया, नई दिल्ली, 1978.<br>19) शिशिर, कर्मेंदु. राधामोहन गोकुल समग्र. अनामिका पब्लिशर्स ऐंड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्रा॰ लि॰, नई दिल्ली, 2009.<br>20) सांकृत्यायन, राहुल. दर्शन दिग्दर्शन. किताब महल, नई दिल्ली, 1994.<br>21) सांकृत्यायन, राहुल. बुद्धिज़म: द मार्क्सिस्ट अप्रोच. पीपल्स पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 1970. | |
| **अधिगम परिणाम** | • दर्शन की अवधारणा एवं स्वरूप से अवगत होंगे।<br>• भारतीय चिंतन परंपरा की समझ विकसित होगी।<br>• पाश्चात्त्य दार्शनिकों के मतों से अवगत होंगे।<br>• आधुनिक भारतीय दार्शनिकों के विचारों से अवगत होंगे। | |